

Program: Diploma Course B.A. II Year  
**IVth Semester**  
**Subject: Sociology**  
**Session: 2023-2024**  
**Course Title - Social Change and Development, Paper-II**  
**Credit Value- 6**

**Max. Marks: 40+60**

**Min. Passing Marks: 40**

**Pr-requisite (if any)** This is a compulsory paper Open for all B.A. II Year Students, and compulsory paper for those Students who had core papers of Sociology in B.A. I Year.

**Course Learning outcomes (CLO)** Social change is inevitable, hence learning about human Society is incomplete without comprehension of change. This Paper is designed to give the student an extensive knowledge about social change and its overall impact on society. This paper will introduce the students with the various factors, processes and theories of Concept, Social change. It will also give them knowledge about the concept of Development and its consequences. The critical contributions would enable students to come out with understanding of policies and Government, their Initiatives taken the by Implementation and resulting problems. Students, well versed with this course are most likely To get job opportunities in various departments of Planning and development, in NGOs which work as Agencies of change and development and research Institutes which deal with project and planning.

**Unit-1.** Concept of Social Change, Forms of Social Change Evolution and Revolution, Progress and Development Theories of Social Change

Keywords/Tags: Social Change, Evolution, Revolution, Progress, Development, Theories of Social Change. Processes of Social Change

**Unit- II.** 1. Sensitization and westernization Concept , Favorable Conditions in Prioritization and westernization Industrialization, Urbanization and Modernization, Concept Effect on Indian Society and Institutions Liberalization, Prioritization, Globalization and information Revaluation Concept Effects on Indian Society Social Movement Concept , Role of Social Movements in Social Change

Keywords/Tags: Sensitization, Urbanization, Westernization, Modernization, Liberalization, Prioritization, Globalization, Social Movement, Industrialization, Information Revaluation

**Unit- III.** Social Development in India ,Social Development, Concept Indicators of Social Development, Agencies of Social Development, State Non Governmental Agencies MarketChanging Conceptions of Development, Change in Traditions , Consumerism , Consumerist society ,Sustainable Development , Concept , Elements of Sustainable Development , Indicators of Sustainable Development , Goals of Sustainable Development

Keywords/Tags: Social Development, Sustainable Development, Goal of Sustainable Development, Traditions, Consumerism, Consumerist society

**Unit- IV.**Challenges of Development in Indian Society 1.Socio-cultural and Economic Challenges , Development and Environmental problems ,Indian Experience of Development- , Sarwodaya ,Bhoodan , Chitrakoot model , White Revaluation ,Planning , Concept of Planning , Types of planning , Techniques of planning , Five Year Plans in India , Sociological Appraisal of Five Year Plans

Keywords/Tags: Challenges of Development, Cultural Challenges, Environmental Problems,Techniques of Planning, Chitrakoot model and white Revaluation ,Bhoodan

**Unit –V.**Social Policies and Programmers,.Social Policy , Concept , Need , Policy and Development,.Community Development Programme , Concept , Objectives , Implementation of Programme ,Monitoring , Evaluation ,Contribution of Community Development Programmed in Social Development of in India , NITI AYOOG , Structure ,Functions.

Keywords/Tags: Social Policy, Community Development Programme, Monitoring, NITI AYOOG

**Text Books, Reference Books, Other resources Suggested Readings:**

Abraham, M. Francis, contemporary Sociology: An Introduction to Concept and Theories,

Oxford University Press, New Delhi 2010

2. Gunnar Myrdal C.F. Asian Drama, The Penguin Press 1968

3. Harrison, D. The Sociology of Modernization & Development, Sage Publication, New Delhi

1989

4. Julian H. Steward, Theory of Culture Change, University of Illinois press, Urbana 1955.

कार्यक्रम-डिप्लोमापाठ्यक्रम  
**IVth Semester**  
बी.ए. द्वितीयवर्ष, सत्र: 2023-2024  
शीर्षक-सामाजिक परिवर्तन एवं विकास,  
क्रेडिटमानसैद्धांतिक - 6

कुलअंक 40+60

न्यूनतमउत्तीर्णअंक: 40

**पूर्वापेक्षा(Pre-requisite)** (यदि कोई हो) यह एक अनिवार्य प्रश्न-पत्र है, जो कि बी.ए. द्वितीय वर्ष के उन सभी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित किया गया है जिन्होंने बी.ए. प्रथम वर्ष में समाजशास्त्र के कोर(मूल) प्रश्न-पत्र पढ़े हैं।

**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां कोर्स लर्निंग आउटकम(CLO)** सामाजिक परिवर्तन अपरिहार्य है, अतः परिवर्तन के बोध के बिना मानव समाज का ज्ञान अधूरा है। इस पाठ्यक्रम की रचना विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन एवं समाज पर इसके सर्वांगीण विकास के बारे में विस्तृत ज्ञान प्रदान करने के लिये की गयी है: प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा, विभिन्न कारक, प्रक्रियाओं एवं सिद्धांतों से परिचित करायेगा। यह पाठ्यक्रम विकास की अवधारणा एवं इसके परिणामों का भी ज्ञान विद्यार्थियों को प्रदान करेगा। सरकार की विभिन्न नीतियों, उपक्रम, उनका क्रियान्वयन एवं उत्पन्न होने वाली समस्याओं का आलोचनात्मक योगदान विद्यार्थियों को एक अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा। इस पाठ्यक्रम में निहित ज्ञान के माध्यम से विद्यार्थी नियोजन एवं विकास सम्बन्धी विभागों में परिवर्तन एवं विकास के माध्यमों के रूप में कार्यशील गैर सरकारी संगठनों में, परियोजना एवं नियोजन सम्बन्धी कार्य करने वाले विभिन्न शोध संस्थानों में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सफल होंगे।

**इकाई .I - भारत में सामाजिक परिवर्तन**  
1. सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा  
2. सामाजिक परिवर्तन के स्वरूप  
2.1 उद्विकास एवं क्रांति  
2.2 प्रगति एवं विकास  
3. सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांतसार  
बिन्दु: सामाजिक परिवर्तन, उद्विकास, क्रांति, प्रगति, विकास, सामाजिक परिवर्तन के, सिद्धांत सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएँ

**इकाई .II - संस्कृतिकरण एवं पश्चिमीकरण**  
1.1 अवधारणा  
1.2 संस्कृतिकरण एवं पश्चिमीकरण अनुकूलन में सहायक दशाएँ  
2. ओद्योगीकरण, नगरीकरण एवं आधुनिकीकरण  
2.1 अवधारणा  
2.2 भारतीय समाज एवं संस्थाओं पर

प्रभाव3. उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण एवं सूचना क्रांति3.1 अवधारणा3.2 भारतीय समाज पर प्रभाव4. सामाजिक आंदोलन4.1 अवधारणा4.2 सामाजिक परिवर्तन में सामाजिक आंदोलन की भूमिका

सार बिन्दु: संस्कृतिकरण, नगरीकरण, पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण, उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण, सामाजिक आंदोलन, सूचना क्रांति, ओद्योगीकरण

**इकाई .III - भारत में सामाजिक विकास**1. सामाजिक विकास1.1 अवधारणा1.2 सामाजिक विकास के संकेतक2. सामाजिक विकास के अभिकरण2.1. राज्य2.2 गैर सरकारी संगठन2.3 बाजार3. विकास की बदलती अवधारणा3.1 परम्पराओं में परिवर्तन3.2 उपभोक्तावाद3.3 उपभोगी समाज4. सतत विकास4.1 अवधारणा4.2 सतत विकास के मूल तत्व4.3 सतत विकास के संकेतक4.4 सतत विकास के लक्ष्य(SDG)

सार बिन्दु: सामाजिक विकास, आर्थिक विकास, मानव विकास, सतत विकास, सतत विकास के लक्ष्य, उपभोक्तावाद, उपभोगी समाज

**इकाई .IV- भारतीय समाज में विकास की चुनौतियाँ**1. सामाजिक-सांस्कृतिक एवं आर्थिक चुनौतियाँ2. विकास एवं पर्यावरणीय समस्याएँ3. विकास के भारतीय अनुभव3.1 सर्वोदय3.2 भूदान3.3 चित्रकूट मॉडल3.4 श्वेत क्रांति4. नियोजन4.1 नियोजन की अवधारणा4.2 नियोजन के प्रकार4.3 नियोजन की विधियाँ4.4 भारत में पंचवर्षीय योजनाएं4.5 पंचवर्षीय योजनाओं का समाजशास्त्रीय विश्लेषण

सार बिन्दु: विकास की चुनौतियाँ, सांस्कृतिक चुनौतियाँ, आर्थिक चुनौतियाँ, सर्वोदय, भूदान, चित्रकूट मॉडल, श्वेत क्रांति, पर्यावरणीय समस्याएं, नियोजन की विधियाँ

**इकाई .V- सामाजिक नीतियाँ एवं कार्यक्रम**1. सामाजिक नीति1.1 अवधारणा1.2 आवश्यकता1.3 सामाजिक नीति एवं विकास2. सामुदायिक विकास कार्यक्रम2.1 अवधारणा2.2 उद्देश्य2.3 कार्यक्रमों का क्रियान्वयन2.4 अनुवीक्षण(निगरानी)2.5 मूल्यांकन2.6 भारत के सामाजिक विकास में सामुदायिक विकासकार्यक्रमों का योगदान3. नीति आयोग3.1 संरचना3.2 कार्य

सार बिन्दु: सामाजिक नीति, सामुदायिक विकास कार्यक्रम, अनुवीक्षण, नीति आयोग

**भाग स- अनुशासित अध्ययन संसाधन/अनुशासित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/ अन्य पाठ्यक्रम संसाधन/ पाठ्य सामग्री:**

1. Abraham, M. Francis, contemporary Sociology: An Introduction to Concept and Theories, Oxford University Press, New Delhi 2010

2. Harrison, D. The Sociology of Modernization & Development, Sage Publication, New Delhi 1989

3. Julian H. Steward, Theory of Culture Change, University of Illinois press, Urbana 1955.